जो भी तुम्हे देखे वो तेरा हो जाए

जो भी, तुम्हें देखे, वो तेरा, हो जाए
मेरे मन मोहन, वो तुझमें खो जाए।
जो भी तुम्हे देखे, वो तेरा हो जाए॥

गोलमोल चन्दा सा,
मुखड़ा तेरा प्यारा-2
मोर मुकुट सिर का,
सारे जग से न्यारा-2
तेरे दो नैना मेरे दिल पर जादू चलाए ॥
जो भी तुम्हे देखे...

गलपुष्पन माला ,
मोतीयन लड़ न्यारी-2
मुरली अधरन पर,
लट कारी कारी-2
मुरली की धुन तो, हम सबके मन को लुभाऐ ॥
जो भी तुम्हे देखे...

मन मेरा कहता है ,
छवि जी भर कर देखूं -2
नैनों के प्याले से ,
तुम्हे भीतर में ले लूं-2
भीतर मन मेरा अब झूमें और गाएँ ॥
जो भी तुम्हे देखे...

मैं मोहन तेरा ,
अब तू ही है मेरा-2
छोड़ के बन्धन सब,
डाला अब डेरा-2
कृपा यह करना ,तेरी भक्ति में रम जाऐं ॥
जो भी तुम्हे देखे...

सबकी तुम सुनते ,
हम सबकी भी सुनना-2
चरणों में रख लेना,
बस इतना ही कहना-2
संकीर्तन मण्डल बस तेरा गुण गाऐं ॥
जो भी तुम्हे देखे...

भाव रचनाकार
मोहन काबरा मन

श्री राधासवेश्वर सकोतन मडल, किशनगढ़

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36028/title/jo-bhi-tumhe-dekhe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |